जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

साप्ताहिक

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

हमारा वतन

ہمارا وطن ہفت روزہ

देश का अपना अखबार

संस्थापित 1965

www.hamarawatan.com

FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

वर्ष- 62 अंक-16 जयपुर, सोमवार, 27 अप्रैल, 2026 वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) पृष्ठ संख्या 4

वंदे मातरम् राष्ट्रीय गीत की आधिकारिक लिरिक्स में विसंगति को लेकर आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने उठाए सवाल

'वंदे मातरम्' की आधिकारिक लिरिक्स में विसंगति से देश प्रेमी हुए आहत,कमियां दूर करने की हुई अपील

जयपुर (हमारा वतन)

भारत सरकार के गृह मंत्रालय और कला व संस्कृति मंत्रालय की वेबसाइटों पर प्रकाशित राष्ट्र गीत की लिपियों लिरिक्स में शब्दों और संरचना के स्तर पर अंतर है, जिसे गहनता से खोज लिया गया है। यह कहना था राष्ट्रपति से सम्मानित नैतिक शिक्षाविद एवं आध्यात्मिक चिंतक आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया का। उन्होंने पिंक सिटी प्रेस क्लब जयपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में इस पर चिंता जताते हुए कहा कि राष्ट्र की आत्मा और स्वतंत्रता संग्राम की चेतना के प्रतीक 'वंदे मातरम्' की आधिकारिक लिपि लिरिक्स में विसंगति है। इस संबंध में केन्द्र सरकार का ध्यान आकृष्ट किया है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय और कला व संस्कृति मंत्रालय की वेबसाइटों पर प्रकाशित राष्ट्र गीत की लिपियों में शब्दों और संरचना के स्तर पर अंतर है। हमने इन विसंगतियों को दूर करने की दिशा में प्रयास करने शुरू भी किए हैं।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रगीत जैसे संवेदनशील और गौरवपूर्ण विषय पर किसी भी प्रकार की त्रुटि न केवल ऐतिहासिक तथ्यों के साथ अन्याय है, बल्कि यह राष्ट्रीय अस्मिता से जुड़ा है। उन्होंने राष्ट्रगीत को सही शब्दावली के साथ अपने स्वर में गाकर सुनाया। गीत की सही जानकारी दी है व उसकी सैकड़ों प्रतियां वितरित की।

शुद्ध गीत डिजिटली उपलब्ध है

पाटोदिया ने बताया कि 'वंदे मातरम्' का संपूर्ण संस्करण स्वरबद्ध कर डिजिटली अपने यूट्यूब चैनल आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया पर उपलब्ध कराया है, ताकि आमजन इसके मूल स्वरूप से परिचित हो सकें और राष्ट्रभक्ति की भावना को और अधिक सशक्त बना सकें। गौरतलब है कि भारत सरकार की ओर से 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा से 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रगीत का दर्जा दिया गया था। गीत स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान विशेषकर 1905 के बंग-भंग आंदोलन के समय, जन-जन के स्वाभिमान और क्रांति का उद्घोष बना। अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनजागरण में इसकी भूमिका ऐतिहासिक रही है। यह उल्लेखनीय है कि आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया को भारत के राष्ट्रपति द्वारा 2 मई 2025 को सम्मानित किया गया था। इस मौके पर नृत्य गुरु व वरिष्ठ अभिनेत्री उषाश्री, डॉ. अमित पाटोदिया, ब्रज किशोर श्रीवास्तव, अंतरराष्ट्रीय गायक मुन्ना लाल भाट, मुरलीधर पाटोदिया, फिल्म अभिनेता उग्रसेन तंवर, डॉ.सुरेश चन्द शर्मा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

150 वर्ष पूर्ण हुए और ऐसी कमियां सामने आना चिंताजनक

पाटोदिया ने कहा कि । नवंबर 2025 को 'वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होना देश के लिए गौरव की बात है।

ऐसे समय में जब देश इस ऐतिहासिक विरासत का उत्सव मना रहा है, तब इसकी आधिकारिक लिरिक्स में भिन्नता और कमियां आना चिंताजनक है। इस विषय को संबंधित केन्द्रीय मंत्रियों के संज्ञान में लाने का प्रयास किया गया, लेकिन प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद 15 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में संबंधित अधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन व्यक्तिगत साक्षात्कार का संवाद स्थापित नहीं हो सका।

कत्थक नृत्य कला केंद्र के स्टूडेंट्स ने दी परीक्षा

जयपुर (हमारा वतन)। जयपुर शहर के राधा विहार, सोडाला स्थित कत्थक नृत्य कला केंद्र के स्टूडेंट्स ने भातखंडे संगीत विद्यापीठ लखनऊ द्वारा आयोजित प्रथमा, मध्यमा और विशारद की परीक्षाएं दी । वरिष्ठ अभिनेत्री और नृत्य गुरु उषा श्री ने बताया कि सभी स्टूडेंट्स की परीक्षाएं जयपुर स्थित टैगोर पब्लिक स्कूल में 20 अप्रैल को संपन्न हुई । इससे पहले सभी स्टूडेंट्स को कत्थक नृत्य की रिहर्सल करवाई गई । परीक्षा में सभी स्टूडेंट्स ने शानदार प्रदर्शन किया ।

जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने किया राजस्थानी फिल्म हमारी बेटियां के पोस्टर का विमोचन

जयपुर (हमारा वतन)

महिला सशक्तिकरण पर बनी राजस्थानी फीचर फिल्म हमारी बेटियां के पोस्टर का विमोचन आज जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने किया । फिल्म के निर्देशक उग्रसेन तंवर ने बताया कि फिल्म के रिलीज से पहले ही राजस्थान फिल्म इंडस्ट्री में बड़ी हलचल मची हुई है । राजस्थानी भाषा और राजस्थानी फिल्म को चाहने वाले पूरे देश-प्रदेश से फिल्म की सफलता के लिए सपोर्ट कर रहे हैं । इस फिल्म में रेखा परिहार, ऋषभ साहू, अशोक खडोलिया, संतोष कंवर, सनाया सैनी, विनयदेव गौतम, सुभाष सेठ, रमेश मकवाना, विनोद शर्मा बरना, हितेश सोलंकी, अभिनव शर्मा, दीपक सिंह, माधुरी खंडेलवाल, कलावती पटेल, गौरान्वी शर्मा, सत्यनारायण पाटोदिया, महेश योगी, गोविंदा गुर्जर, चित्रांश गौतम, मुकेश तंवर, गर्वित चौहान, श्याम सुंदर साहू, सीता साहू, मीनाक्षी सेन, शंकर लाल कटारिया, गुरु सुमेर सिंह, भगत सिंह, हरिनारायण साहू, फूलसिंह पिपलाली के साथ फिल्म के निर्देशक उग्रसेन तंवर ने इस फिल्म में दमदार अभिनय किया है।

फिल्म के निर्माता गणेश साहू, सह निर्मात्री रेखा परिहार, संगीत दिलबर हुसैन और गायिका रेखा परिहार और दिलबर हुसैन हैं। कोरियोग्राफी राजेंद्र राव चीफ असिस्टेंट डायरेक्टर ज्योत्सना कौशिक, टेक्निकल निर्देशक अनिल के सैनी, मेकअप ममता अग्रवाल, चीफ कैमरा सुरेश खांडल है। फिल्म में 5 कर्ण प्रिय गाने हैं।

सुरभि संगीत संस्था का 30वां स्थापना दिवस मनाया

जयपुर (हमारा वतन)। प्रताप नगर स्थित सुरभि संगीत संस्था ने अपना 30वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संगीत विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। संस्था की निदेशक निपुणा शर्मा ने बताया कि संस्था की स्थापना 24 अप्रैल 1996 को प्रताप नगर में की गई थी और तब से यह संस्था संगीत शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम में संगीत शिक्षक कुलदीप शर्मा के निर्देशन में प्रशिक्षित विद्यार्थियों भूमिका, तनिष्का, यशस्वी, रश्मि, गीतांश, माधव, आँरा, टियाना, रिद्धिमा और अदिति सहित लगभग 37 विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन रितेश द्वारा किया गया। इस दौरान हर्षित स्वर्णकार के नए गीत राहियां की प्रस्तुति भी दी गई, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा। संस्था की उपनिदेशक ज्योति शर्मा ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था भविष्य में भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी। वहीं 3S रिकॉर्ड के आयोजक हर्षित स्वर्णकार ने विद्यार्थियों को उनके गीतों को मंच देने और विश्व स्तर तक पहुंचाने के विभिन्न माध्यमों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने जल्द आयोजित होने वाले ऑनलाइन सिंगिंग कॉम्पिटिशन के पोस्टर का विमोचन भी किया, जिसके ऑडिशन शीघ्र शुरू होने वाले हैं।

पायस डेयरी में विश्व पशु चिकित्सा दिवस का हुआ आयोजन

जयपुर (हमारा वतन)

पायस मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड में विश्व पशु चिकित्सा दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी डॉ. मनवीर सिंह ने पायस के समस्त पशु चिकित्सा टीम के सदस्यों को उनके समर्पण, सेवाभाव एवं पशुपालकों के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर पायस के पशु चिकित्सकों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। दूदू क्षेत्र में डॉ. सुनील महला तथा सीकर क्षेत्र में डॉ. विजय मान द्वारा पशुपालकों को मानव से पशुओं में एवं पशुओं से मानव में फैलने वाली बीमारियों (जूनोटिक डिज़ीज़) के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। शिविरों के दौरान पशुपालकों को इन बीमारियों से

बचाव हेतु आवश्यक सावधानियों जैसे स्वच्छता बनाए रखना, पशुओं का नियमित टीकाकरण, बीमार पशुओं से दूरी बनाए रखना एवं समय-समय पर पशु चिकित्सकों से परामर्श लेने के बारे में जागरूक किया गया। इसके साथ ही पायस डेयरी द्वारा संचालित मोबाइल वेटरनरी यूनिट सेवाओं की भी जानकारी दी गई, जिसके माध्यम से पशुपालकों को उनके घर-द्वार पर ही पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं के समय पर उपचार, टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित हो रही है, जिससे पशुपालकों को काफी सुविधा मिल रही है।

मात पिता (कविता)

संघर्षों का पथ सृजित करते जो फूलों से मुस्काते हैं
हमसब दुनिया वाले उनको ही मात पिता कह बुलाते हैं
चुपके - चुपके बच्चों की खातिर जो आंसु को पी जाते हैं
कभी-कभी घर की गहरी चिंता में जो भूखे ही सो जाते हैं
निश्चित हे भाई बहनों समझो वो ही मात पिता कहलाते हैं
नन्हे-नन्हे बहके कदमों को जो सुपथ पर चलना सिखाते हैं
दुनिया के झंझावातों से जो प्रतिपल लड़ना हमें सिखाते हैं
कदम-कदम पर हौसला देकर विजयी हमें वो बनाते हैं
ये तय है कि सबकी नजरों में वो मात पिता ही कहलाते हैं
भूखे रहकर भी शिकन नहीं जो पल-पल ही मुस्काते हैं
जीवन पथ को सुरभित करते और नव उल्लास मनाते हैंहैं
धर्म आध्यात्म का ज्ञान भी देकर सदपथ तक ले जाते हैं
जीवन मूल्यों को नई पीढी में भरकर पावन हमें बनाते हैं
विजयी पताका हाथ में देकर, सदा निर्भीक हमें बनाते हैं
हर जिद हमारी पूरी करते और वो खुद कोरे रह जाते हैं
चाहे उन्हें प्यार करे ना कोई पर वो सब पर प्यार लुटाते हैं
हां कितने पावन भावों को समाते वो मात पिता कहलाते हैं
नई पीढ़ी की उत्कृष्ट सृजन चाह में अपना सब वो लुटाते हैं
शतशत नमन उन्हें हम सदा करें जो मात पिता कहलाते हैं

राजेन्द्र आचार्य राजन, भवानीमंडी

तारा ज्योतिष साधना केंद्र में हुआ बगलामुखी यज्ञ का आयोजन

जयपुर (हमारा वतन)। जयपुर शहर के तालकटोरा स्थित तारा ज्योतिष साधना केंद्र में आज केंद्र के अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य के सानिध्य में बगलामुखी माता की जयंती पर बगलामुखी यज्ञ का आयोजन पूर्ण विधि विधान से किया गया । यज्ञाचार्य पंडित हरिओम शर्मा ने मंत्रोच्चार कर आहुतियां दिलाई । पंडित रविंद्र आचार्य ने बताया कि आज कार्यालय में बगलामुखी माता को प्रसन्न कर देश में सुख शांति के लिए हल्दी और मिर्च से हवन किया गया । हवन की सबसे बड़ी खास बात यह रही की मिर्च जलाने से आँखों में कोई जलन नहीं हुई । पौराणिक कथा के अनुसार सतयुग में सृष्टि को प्रलय से बचाने के लिए भगवान विष्णु ने सौराष्ट्र के हरिद्रा सरोवर के पास माता की

कठोर तपस्या की थी और माता ने प्रसन्न होकर वैशाख शुक्ल अष्टमी को प्रकट होकर मदन नामक राक्षस का संहार किया और भयंकर तूफान को शांत किया था ।

मां बगलामुखी की आराधना करने से शत्रु बाधा का नाश, कठिन कार्य में सफलता, नकारात्मकता से सुरक्षा, वाणी और बुद्धि का विकास, स्वास्थ्य लाभ आदि होता है ।

धूमधाम से मनाया गया विश्व पृथ्वी दिवस

बिझौली (हमारा वतन)। राजकीय उ.मा. वि., बिझौली में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अशोक पाल सिंह, पर्यावरण मित्र ने संबोधित करते हुए कहा कि- आज विश्व में पृथ्वी दिवस का उद्देश्य पृथ्वी, प्राकृतिक और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझना है।

विश्व की समस्या वनों की कटाई, ग्लोबल वार्मिंग, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता एवं जल संरक्षण आदि है । 22 अप्रैल का महत्व पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सुरक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है। पेड़ लगाओ पृथ्वी बचाओ के साथ शपथ दिलाई गई। पौधरोपण कार्यक्रम किया गया। मंच का संचालन सुधीर सैनी ने किया। इस अवसर पर इसराना, सुधीर, शिक्षक, जतिन शर्मा, प्रतिभा, कृष्णा, रिहान, अब्दुल करीम, रोहन, अलतमश, शादिक, शौकिन, आफरीन, कहकशा, पायल, वंश, सादिया, शबनम, सोनम, विराट आदि ने प्रतिभाग किया।

ममता का साया (कविता)

माँ जब गुस्से में होती है,
तब अक्सर वो रो देती है।
डाँट के पीछे छुपी ममता,
चुपके-चुपके कह देती है।

अपने सारे सपनों को वो,
हँसते-हँसते खो देती है।
बेटे की हर छोटी चाहत,
दिल से पूरी कर देती है।

संस्कारों के दीप जलाकर,
जीवन-पथ उजला करती है।
नेकी और ईमान की राह,
चलना रोज़ सिखा देती है।

आँचल की उस छाँव तले,
हर भय पल में सो जाता है।
माँ का साया साथ रहे तो,
जीवन सुख से भर जाता है।

दुनिया की हर मुश्किल से,
लड़ना भी सिखला देती है।
हौसलों के पंख लगाकर,
ऊँचा नभ दिखला देती है।

नहीं कभी वो चाह सके कि,
बेटा दुःख में जी ले बस,
मेहनत का संदेश देकर,
आगे बढ़ने को कहती है।

उसकी नज़र में बेटा उसका,
सदा राजा बनकर जीता है।
सफलता के ऊँचे शिखर पर,
उसको सदा वो देखती है।

माँ की दुआएँ संग चलें तो,
हर राह सरल बन जाती है।
उसके आशीषों की छाया,
जीवन धन्य बना देती है।

महेन्द्र सिंह कटारिया,
नीमकाथाना, राजस्थान

आने वाले पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित रखने हेतु जल संरक्षण जरूरी - वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी

ऋषिकेश (हमारा वतन)

जल संरक्षण पखवाड़े के तहत पीएम श्री राजकीय इण्टर कॉलेज आईडीपीएल में छात्रों ने पानी बचाओ, जीवन बचाओ, जल हैं कल है, आओ मिलकर कसम खाए, बूंद बूंद पानी को बचाए, नारे लगाकर जन जन को जागरूक किया तथा प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह गुलेरिया की अध्यक्षता में व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी के नेतृत्व में छात्रों की जल संरक्षण पर गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें पानी बचाने की शपथ ली गई।

छात्रों को संबोधन में प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह गुलेरिया ने कहा प्राणी जीवन का भविष्य तभी सुरक्षित है जब हम पानी को बचाएंगे । बदलते जलवायु ने पूरे वातावरण को प्रभावित कर दिया है उन्होंने प्रत्येक छात्र छात्राओं से अपने साथ पानी की बोतल लाने को कहा।

वहीं वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी ने छात्रों को पानी बचाने की शपथ दिलाते हुए कहा कि हमें पानी का समुचित उपयोग

करना चाहिए और पानी की हर एक बूंद बचाने के लिए अपने आस पास, मौहल्ला, गांव तथा शहर में जन-जन को जागरूक व प्रेरित करना चाहिए, जिस दिन हमने अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरणीय संतुलन बना दिया उस दिन हमें न पानी की चिंता होगी और न ही जलवायु परिवर्तन की। आओ हम सब मिलकर पानी बचाने का संकल्प लेते हैं। पूर्व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र सिंह रावत ने अनावश्यक पानी की बर्बादी न कर जरूरत के अनुसार पानी का प्रयोग करने का आह्वान किया तभी जल संरक्षण होगा।

कार्यक्रम में सुनील सैनी, नरेंद्र सिंह रावत, हरेंद्र सिंह राणा, बद्री प्रसाद सती, शीला राणा, सुनीता पंवार, इंदु सिंह, ऋषिराम उनियाल, रेखा पंवार, माधुरी रावत, रेखा बिष्ट, कमलेश शाही, राजेश नेगी, बलबीर सिंह, नगर समन्वयक मनोज गुसा, सागर, आर्यन, शगुन, विवेक, गौरी, अंजलि पंत, निधि, सविता ने शिरकत की । कार्यक्रम का संचालन ललित मोहन जोशी ने किया।

सभी खादी संस्थाओं से निवेदन है कि अपनी गतिविधियों की जानकारी प्रकाशित करवाने के लिए हमें जरूर भेजें !
Email-hamarawatan65@gmail.com, whatsapp-9214996258.
Khadi For Nation
खादी भारत
Khadi India
Khadi For Fashion

जॉब्स

1. यूपीएसएससी, पद असिस्टेंट स्टैटिकल ऑफिसर, पद संख्या 929, अंतिम तिथि 11 मई 2026
2. इंडियन रेलवे, पद असिस्टेंट लोको पायलट, पद संख्या 11127, अंतिम तिथि 16 जून 2026
3. एनटीपीसी, पद अस्सिटेंट एजीक्यूटिव ऑपरेशन, पद संख्या 250, अंतिम तिथि 7 मई 2026
4. स्टाफ सिलेक्शन कमिशन, पद सिलेक्शन पोस्ट 14, पद संख्या 3003, अंतिम तिथि 4 मई 2026
5. स्टाफ सिलेक्शन कमिशन, पद जूनियर हिंदी ट्रांसलेटर व अन्य, पद संख्या 84, अंतिम तिथि 14 मई 2026
6. उत्तर प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड, पद असिस्टेंट स्टैटिकल ऑफिसर, पद संख्या 929, अंतिम तिथि 11 मई 2026
7. सीआरपीएफ, पद ट्रेड्समैन, पद संख्या 9175, अंतिम तिथि 19 मई 2026
8. उत्तर प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड , पद टेक्निकल असिस्टेंट ग्रुप सी, पद संख्या 2759, अंतिम तिथि 11 जून 2026

चौमूं ग्राफ़िक्स का हुआ भव्य शुभारम्भ

चौमूं (हमारा वतन)। चौमूं शहर के रेनवाल रोड, धोली मंडी, हनुमान जी मंदिर के सामने चौमूं ग्राफिक्स का भव्य शुभारंभ माली समाज विकास समिति के अध्यक्ष हीरालाल पांच्या ने फीता काटकर किया और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी । चौमूं ग्राफिक्स के वीडियो एडिटर रोहित सैनी और डिजाइनर सुनील सैनी ने बताया कि हमारे यहां पर सोशल मीडिया पोस्ट, वीडियो एडिटिंग, बिजनेस कार्ड, इन्विटेशन कार्ड, बैनर, पोस्टर, टी-शर्ट प्रिंटिंग, फ्लेक्स ऐड, 3D इंटीरियर डिजाइन, मोशन ग्राफिक सहित कई कार्य किए जाएंगे ।

इस दौरान आर चंद्रा रिसोर्ट डायरेक्टर मुकेश सैनी, माली समाज विकास समिति कोषाध्यक्ष एडवोकेट कुमार गौरव सैनी, एमडी प्रिंटर्स के डायरेक्टर राजेंद्र सैनी, सिंगर कोमल सैनी, नरेंद्र कुमार सैनी, दशरथ सैनी, मनमोहन सैनी, प्रकाश चौधरी, रवि सैनी सहित कई लोग मौजूद

खेमचंद तंवर का प्राध्यापक हिंदी पद पर पदोन्नति होने पर हुआ भव्य सम्मान

जयपुर (हमारा वतन)। खेमचंद तंवर प्रधानाध्यापक राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर 10 चौमूं का प्राध्यापक हिंदी पद पर पदोन्नति होने पर स्थानीय विद्यालय में नवीन पद पर कार्यभार ग्रहण किया । इस दौरान तंवर का भव्य सम्मान किया गया व उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई ।

इस अवसर पर विक्रम सिंह, सुभाष, नाथूलाल, संतोष देवी मीणा, ज्योति सैनी, निधि बंसल व समस्त विद्यालय परिवार ने शुभकामनाएं दी ।

बॉलीवुड चटकारा

'जगधात्री' में माया का किरदार मेरे जैसा ही, परिवार के लिए कुछ भी कर सकती हूं : सायंतनी घोष

टेलीविजन की दुनिया में कई ऐसे किरदार होते हैं, जो दर्शकों के दिलों में बस जाते हैं। खासतौर पर जब कोई किरदार भावनाओं, रिश्तों और संघर्षों से भरा हो, तो वह लोगों को अपनी जिंदगी से जुड़ा हुआ महसूस होता है। ऐसे ही एक मजबूत किरदार को इन दिनों दर्शक टीवी शो जगधात्री में देख रहे हैं, जिसे अभिनेत्री सायंतनी घोष निभा रही हैं। इस बीच उन्होंने अपने किरदार और उससे जुड़ी भावनाओं को साझा किया। शो की कहानी इन दिनों एक अहम मोड़ पर है, जहां रिश्तों, सच्चाई और धोखे के बीच टकराव देखने को मिल रहा है। हाल के एपिसोड्स में रुद्र (आयुष श्रीवास्तव) शिवाय पर गोली चला देता है। शिवाय का किरदार फरमान हैदर निभा रहे हैं। वहीं जगधात्री (सोनाक्षी बत्रा) को पूरा यकीन होता है कि इस हमले के पीछे रुद्र ही है। वह सच्चाई सामने लाने की कोशिश करती है, लेकिन उसके पास पुख्ता सबूत नहीं होते, क्योंकि रुद्र बेहद चालाकी से अपने सारे निशान मिटा देता है। इसी बीच माया देशमुख (सायंतनी घोष) का किरदार कहानी में एक अहम मोड़ लेकर आता है। माया, जो रुद्र की बहन है, अपने भाई के खिलाफ लगे आरोपों को मानने से साफ इनकार कर देती है। वह अपने परिवार के साथ मजबूती से खड़ी रहती है और किसी भी हाल में उसे टूटने नहीं देना चाहती। माया के दिल में जगधात्री और शिवाय के लिए भी इमोशन्स हैं, लेकिन इसके बावजूद वह अपने परिवार को प्राथमिकता देती है। सायंतनी घोष ने कहा, माया का रोल मेरे करियर के सबसे खास अनुभवों में से एक है। यह किरदार सिर्फ ऊपर से मजबूत नहीं दिखता, बल्कि इसके अंदर कई तरह की भावनाएं और उलझनें हैं। माया एक ऐसी महिला है, जो हर हाल में अपने परिवार की रक्षा करना चाहती है और यही बात मुझे इस किरदार से जोड़ती है। हाल के एपिसोड्स में जिस तरह माया अपने परिवार को बचाने के लिए हर हद तक जाने को तैयार दिखती है, वह मुझे बहुत करीब से महसूस होता है। सायंतनी ने कहा, असल जिंदगी में भी मैं अपने परिवार के लिए हमेशा खड़ी रहती हूं।

अकेलेपन में टूट गई थीं मालविका मोहनन, बोलीं- कमरे में लौटकर बात करने वाला कोई नहीं था

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री मालविका मोहनन अक्सर अपनी फिल्मों और ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेकिन, चमकती दुनिया के पीछे कलाकारों की जिंदगी में कई बार ऐसा अकेलापन भी होता है, जिसके बारे में लोग कम ही जानते हैं। हाल ही में मालविका ने अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की और बताया कि एक समय ऐसा आया था, जब वह अंदर से काफी टूट गई थीं। उन्होंने बताया कि परिवार और अपनों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। दरअसल, मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ आस्क मी एनीथिंग सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे कई निजी और प्रोफेशनल सवाल पूछे। इसी बीच एक फैन ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने कहा, पिछले महीने मैं काम के सिलसिले में चेन्नई में थीं। वहां मुझे लंबे समय तक रुकना पड़ा था। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी ठीक चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थीं।उन्होंने कहा, दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद जब मैं रात में अपने होटल के कमरे में लौटती थीं, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यही चीज मुझे अंदर से परेशान करने लगी।

बाबा महाकाल के दर पहुंची 'शैतान' एक्ट्रेस जानकी बोदीवाला, नंदी महाराज के कानों में कही मनोकामना

अजय देवगन की फिल्म शैतान से हिंदी फिल्मों में कदम रखने वाली अभिनेत्री जानकी बोदीवाला ने बुधवार को उज्जैन पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर के दर्शन किये। अभिनेत्री ने नंदी हॉल से बाबा महाकाल की भस्म आरती और पूजन में भाग लिया। भस्म के दौरान हजारों की संख्या में भक्त मौजूद रहे और पूरा मंदिर परिसर ओम नमः पार्वती पतये हर हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठा। मुख्य रूप से गुजराती सिनेमा में सक्रिय अभिनेत्री जानकी बोदीवाला बाबा महाकाल के दर पर भक्ति के रंग में रंगी नजर आई। नंदी मंडपम के पास बैठकर उन्होंने बाबा का ध्यान किया और नंदी महाराज के गानों में अपनी मनोकामना कही। दर्शन के बाद अभिनेत्री ने कहा, बाबा महाकाल के दर्शन के अनुभव को शब्दों में बयां कर पाना नामुमकिन है क्योंकि यह भावना हमारे मन के भीतर होती है। आज बहुत अच्छे से दर्शन हुए और मैं उन सभी लोगों को धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने इतने अच्छे दर्शन कराने में हमारी मदद की। बाबा से यही कामना है कि वो बार-बार अपने दर पर बुलाते रहें।

'कास्टिंग काउच' को लेकर हंसिका मोटवानी ने कही ऐसी बात, भड़के यूज़र्स, कहा- 'आपको पता है लेकिन आप'

जानी मानी एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। हंसिका अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खबरों को लेकर हैं। हंसिका ने काफी वक्त तक सोहेल खतूरिया को डेट करने के बाद साल 2022 में उनसे धूमधाम से शादी की थी। उनकी शादी काफी सुर्खियों में बनी थी। वहीं, शादी के कुछ सालों के बाद हंसिका मोटवानी ने आखिरकार पति सोहेल कथूरिया से तलाक ले लिया। एक्ट्रेस के तलाक की खबर ने उनके फैंस को काफी हैरान कर दिया था। ऐसे में अब हंसिका एक बार फिर अपने एक इंटरव्यू को लेकर चर्चा में हैं। हंसिका ने शोबिज में कास्टिंग काउच पर अपने विचार शेयर करने के बाद खुद को एक ऑनलाइन बहस के सेंटर में पा चुकी

हैं। ऐसे में उन्होंने कहा कि वो इस मुद्दे पर कमेंट नहीं कर सकतीं, क्योंकि उन्होंने इसे कभी खुद एक्सपीरियंस नहीं किया है।

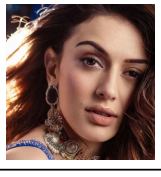

कास्टिंग काउच पर हंसिका मोटवानी–हंसिका हाल ही में Hauterrfly के YouTube चैनल पर पोस्ट किए गए The Male Feminist के एक एपिसोड में दिखाई दीं। इस दौरान हंसिका ने कई मुद्दों पर खुलकर अपने विचार शेयर किए। साथ ही उन्होंने बातचीत के दौरान, उनसे एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच की मौजूदगी के बारे में पूछा गया। दरअसल, जब होस्ट ने कहा कि चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर शोबिज में जल्दी एंट्री करने की वजह से शायद वह कास्टिंग काउच से बच गई हों।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email- hamarawatan65@gmail.com 9214996258 7014468512

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।
- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

सम्पादकीय.....

गर्मी से परेशान आमजन

उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है और इसके साथ ही, सेहत संबंधी चिंताएं भी बढ़ गई हैं। सोमवार को दिल्ली में भी अनेक जगह पारा 43 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, तो बिहार के गया, कैमूर और बक्सर में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। रोहतास और औरंगाबाद में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। उधर, झारखंड से तेलंगाना तक बढ़ते तापमान की वजह से स्कूलों का समय बदलना पड़ा है। मौसम विभाग के अनुसार, कहीं-कहीं बारिश का अनुमान है, लेकिन कुल मिलाकर, आने वाले दिनों में लू का प्रकोप रहेगा। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज का तापमान कहीं-कहीं 44 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। वाराणसी, झांसी में भी तापमान 43 से ऊपर दर्ज हुआ है। मौसम विभाग की यही भविष्यवाणी है कि इस सप्ताह तापमान अनेक जगह 45 डिग्री को पार कर जाएगा और उसी के अनुरूप दोपहर के वक्त लू चलने के साथ ही रात में भी गर्मी का आलम रहेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने लंबे समय तक भीषण गर्मी के संपर्क में रहने के जोखिमों के बारे में पहले ही कई अलर्ट जारी किए हैं। विशेष रूप से संवेदनशील समूहों या लोगों से सावधानी बरतने का आग्रह किया गया है। वैसे तो गर्मी एक मौसमी असुविधा है, लेकिन चिकित्सा विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि अत्यधिक तापमान के गंभीर या जानलेवा परिणाम हो सकते हैं। गर्मी की शुरुआत में ही यह ध्यान कर लेना चाहिए कि लू का मानव शरीर पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, जिससे हृदय, गुर्दे, मस्तिष्क पर ज्यादा असर पड़ता है। तीव्र तापमान के समय घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए और अगर घर से निकलना जरूरी हो, तो बचाव के इंतजाम साथ में रखने चाहिए। लगे हाथ, गर्मी के मौसम में पर्यावरण और जल संरक्षण के प्रति भी सजग रहना चाहिए। यह जल के सदुपयोग का समय है। दुनिया में भारत के हिस्से केवल चार प्रतिशत शुद्ध जल आया है, जबकि यहां विश्व के 16 प्रतिशत से भी ज्यादा लोग रहते हैं। देश में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता में बीते दो दशक में 20 प्रतिशत की कमी आई है। आमतौर पर यह देखा गया है कि गर्मी के बढ़ते ही जल संकट मंडराने लगता है, अतः जल विभाग के लिए भी यह अतिरिक्त सावधानी का समय है। अभी यह एक बड़ा सवाल है कि क्या भारत में मौसम जनित संकट में लगातार वृद्धि हो रही है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के सलाटा इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट ऐंड सस्टेनेबिलिटी द्वारा प्रकाशित शोध पत्र से यह पता चलता है कि जलवायु संकट की वजह से भारत में भीषण गर्मी का सबसे बुरा दौर आना बाकी है।

राम गोपाल सैनी

साल 1980-90 और 2015-24 के बीच भारत की भूमि का तापमान 0.88 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। इसके लिए वायु प्रदूषण को भी जिम्मेदार माना गया है। निकट भविष्य में तापमान का दायरा और तीव्र होने वाला है। देश में करीब दो करोड़ लोग 2030 तक बहुत घातक गर्म हालात का सामना कर रहे होंगे। इसका असर रोजगार पर भी पड़ेगा। यह ध्यान देने की बात है कि भारत में करीब आठ प्रतिशत घरों में ही वातानुकूलन की सुविधा है। एक चिंता की बात यह है कि गर्मी बढ़ेगी, तो बारिश में भी इस सदी के अंत तक 20 प्रतिशत की बढ़त हो जाएगी। इसका कृषि उपज पर भयानक असर पड़ेगा। अतः इस बढ़ते तापमान और बिगड़ते पर्यावरण के साथ हमारी सजगता का बढ़ना भी जरूरी है, ताकि हमारे पास बचाव के पूरे इंतजाम हों और हमें मौसम की प्रतिकूलता की वजह से कम से कम नुकसान उठाना पड़े।

राज्य स्तरीय खादी प्रदर्शनी सह खादी महोत्सव-2026

खादी और स्वदेशी पर केंद्रित कविताओं के जरिये कवियों ने बांधा समां

देवघर (हमारा वतन)

स्थानीय पुरानी प्राइवेट बस स्टैंड में आयोजित राज्य स्तरीय खादी प्रदर्शनी सह खादी महोत्सव-2026 में सोमवार को भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ । इसमें जिले के जाने माने हिंदी, खोरठा व अंगिका के कवियों ने अपनी भागीदारी दिखायी । सम्मेलन में शामिल हुए कवियों का स्वागत खादी ग्रामोद्योग आयोग के सहायक निदेशक अशोक कुमार ने किया । उन्होंने कहा कि खादी प्रदर्शनी में लगे स्टॉल पर सामान की खरीदारी पर छूट है, इसका लाभ लें व स्वदेशी को बढ़ावा दें । कवि सम्मेलन में ओजपूर्ण कविता के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों पर कवयित्री सोनम झा ने प्रहार की, जबकि जलेश्वर ठाकुर शौकीन ने खादी सामान प्रयोग करने पर केंद्रित कविता सुनायी । वहीं अशोक पांडेय ने समाज में होने वाली सामयिक घटनाओं को अपनी कविता के माध्यम से स्वर दिया । बबन बदिया ने सरकार की शिथिलता पर

आधारित कविता सुनायी ।

खोरठा भाषा में कवि एफएम कुशवाहा ने - स्वदेशी अपनावों काका, देशम रहतो देशक टाका सुनायी । डॉ. शिप्रा झा ने गीत -खादी हमें लुभाती है, खादी कुछ बुलाती है सुनायी, जबकि पुनीत दूबे ने अपनी शानदार कविता से लोगों का मन मोह लिया । वीरेश वर्मा ने बच्चा चोर पर केंद्रित झूमर सुनाया और रवि शंकर साह ने मधुर लय में कविता पाठ कर खूब तालियां बटोरीं । सर्वेश्वर दत्त द्वारी ने मधुर गीत गाकर सभी दर्शकों का मन उल्लसित कर दिया । गोष्ठी में प्रकाश चंद्र झा, अलका सोनी, डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव, डॉ. विजय शंकर, रचना झा, गणेश प्रसाद उमर आदि ने कविता सुनाकर देर शाम तक समां बाधे रखा । इसकी अध्यक्षता व मंच संचालन प्रो. रामनंदन सिंह ने किया, जबकि खादी ग्रामोद्योग बोर्ड देवघर के सचिव श्यामनंदन राय ने धन्यवाद ज्ञापन किया । सहायक निदेशक ने कवियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया ।

आरपी सोलर की द्वितीय शाखा का हुआ भव्य शुभारम्भ

विराटनगर (हमारा वतन)। पंचायत समिति के समीप आरपी सोलर की द्वितीय शाखा का विधिवत उद्घाटन श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर मोहनदास महाराज एवं आरपी सोलर के निदेशक भुवनेश तिवाड़ी द्वारा फीता काटकर किया गया।

उद्घाटन अवसर पर शाखा प्रमुख बल्लू सैनी एवं विमल शर्मा ने उपस्थित अतिथियों का दुपट्टा एवं माल्यार्पण कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान आरपी सोलर के तकनीशियन योगेश सैनी ने सौर ऊर्जा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के बारे में आगंतुकों एवं स्थानीय नागरिकों को विस्तृत जानकारी प्रदान की।

इस समारोह में नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष भैरूराम सैनी, वर्तमान अध्यक्ष

प्रतिनिधि फूलचंद सैनी, निवर्तमान पार्षद फूलचंद सैनी, पूर्व वाइस चेयरमैन भीमराज यादव, ब्लॉक अध्यक्ष प्रेमचंद सैनी, महेंद्र मोहन तिवाड़ी, विराज फाउंडेशन के प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, जिलाध्यक्ष नरेंद्र सोलंकी, दिनेश कुमावत, टेकचंद सैनी, कैलाश यादव, राजू सैनी, जगदीश यादव, राजेश यादव, राधेश्याम सैनी, छोटेलाल ठेकेदार, बाबूलाल सैनी, बनवारीलाल सैनी, शंकरलाल सैनी एवं पूरणमल यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU !
थाना मोड़, चौमूँ
फ्लैक्स / विनायल | ऑफसेट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

कृष्णम वेलफेयर फाउंडेशन ने वितरित किए इंटर्नशिप प्रमाण पत्र

जयपुर (हमारा वतन)। कृष्णम वेलफेयर फाउंडेशन मोरीजा के तत्वावधान में इंटर्नशिप 2026 योजना के तहत सेठ आर एल सहरिया पीजी गवर्नमेंट कॉलेज कालाडेरा जयपुर के पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों को 120 घंटे की इंटर्नशिप का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया । सभी विद्यार्थियों ने संस्थान का आभार व्यक्त किया । इसके साथ ही 34 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए । इस अवसर पर फाउंडेशन के गणमान्य लोग, अध्यापक गण व विद्यार्थी मौजूद रहे ।

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
उप सम्पादक: सुरेन्द्र कुमार सैनी
E mail-hamarawatan65@gmail.com
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमूं शहर होगा।